(ग) अखाद्य तेलों से चर्बी युक्त अम्ल पदार्थ तथा ग्लसरीन बनाने के बारे में अब तक क्या प्रगति हुई है ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) स्टीयरिक एसिड का उत्पादन बढ़ाने के लिये निम्न कदम उठाये गये है :—

(१) इस उद्योग को तटकर सरक्षण प्रदान कर दिया गया है ।

(२) पुराने आयातको द्वारा स्टीयरिक एसिड के आयात पर रोक लगादी गयी है और वास्तविक उपयोक्ताओं को सीमित आधार पर आयात करने के लिये लाइसेंस दिये जाते हैं ।

(३) गन्ने कच्चे मालो जैसे ताड के तेल और चरबी का आयात करने की अब भी अनुमति दी जाती है ।

(४) स्टीयरिक एसिड बनाने के लिये आधुनिक मशीनों के आयात की अनुमति भी दी जाती है ।

(ख) स्टीयरिक एसिड उद्योग इस समय प्रत्यक्षरूप मे साबुन उद्योग से संबंधित नही है क्योकि वह केवल वनस्पति तेलो का ही प्रयोग कर रहा है ।

(ग) अखाद्य तेलो मे चर्बी युक्त अम्ल पदार्थ बनाने की संभावनाओ की जाच पडताल की जा रही है ।

नाइट्रो-सेलूलोज और पी० वी० सी० लेदर क्लाथ

१८२६. श्री रा० स० तिवारी : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश मे इस समय नाइट्रो-सेलूलोज और पी० वी० सी० लेदर क्लाथ का कुल कितना उत्पादन हो रहा है; और

(ख) इसकी देश में कितनी खपत है और विदेशों को कितना भेजा जाता है ।

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) तथा (ख). एक विवरण जिस में यह जानकारी दी गयी है, सभा के पटल पर रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट ४, अनुबन्ध संख्या ८०]

पुस्तकों का आयात

१८२७. श्री रा० स० तिवारी : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत वर्ष विदेशों मे कितनी पुस्तकों का आयात हुआ; और

(ख) इस आयात के कारण भारत को कितनी विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ी ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) से (ख). कितनी संख्या में पुस्तकों का आयात हुआ, यह जानकारी उपलब्ध नहीं है क्योंकि किताबों के आयात के आकड़े परिमाण मे दिये जाते है । १९५६–५७ में १,१३,३४,००० रु० की ३६,०७१ हंडरवेट पुस्तके, मुद्रित सामग्री, और पैम्फलेटें आयात की गयी ।

मशीनी औजारों के कारखाने

१८२८. श्री रा० स० तिवारी : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मशीनी औजार बनाने के लिये कितने संगठित कारखाने इस समय चल रहे हैं और उनका राज्य-वार ब्यौरा क्या है ;

(ख) मशीनीं औजार बनाने की दृष्टि से कौन से राज्य आगे बढ़े हुए हैं और क्यों ; और

(ग) जो राज्य इस दृष्टि से पिछड़े हुए हैं, वहां स्थिति सुधारने के लिये क्या किया जा रहा है ।